वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमआरजे 07

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

साहित्यशास्त्र अर पाठालोचन

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: **औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल हियौडा हैं।**

खंड- स

नोट: **नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा** 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1. **साहित्य रौ अरथ अर सरूप स्पष्ट करता थंका भारतीय विचारकां री परिभासावां देऔ।**

अथवा

काव्य तत्व रौ अरथ स्पस्ट करतां थकां खास-खास काव्य तत्वां नै उजागर करौ।

प्रश्न 2. **काव्य सास्त्र रौ अरथ अर परिभासावां विस्तार सूं समझावौ।**

अथवा

भारतीय काव्यसास्त्र रा खास-खास सम्प्रदायां री विवेचना करौ।

प्रश्न 3. **ध्वनि रौ अरथ अर स्वरूप स्पस्ट करतां थकां साहित्य में ध्वनि सम्प्रदाय रौ महत्व उजागर करौ।**

अथवा

'आई॰ ओ॰ रिचर्ड्स रै काव्य सिद्धान्त रौ विस्तार सूं खुलासौ करौ।

प्रश्न 4. **क्रोचे रै अभिव्यंजनावादी सिद्धान्त रौ अरथ स्पस्ट करता थकां उणरी समीक्षा करौ।**

अथवा

पाठालोचन रौ अरथ स्पस्ट करतां थकां पाठालोचन प्रक्रिया नै समझावौ।

प्रश्न 5. **साहित्य रौ उद्देस्य स्पस्ट करतां थकां भारतीय अर आयूणै** (पास्चात्य) **विचारकां रा मत प्रस्तुत करौ।**

अथवा

भारतीय काव्यसास्त्र री उत्पति अर विकास जातरा माथै विस्तार सूं खुलासौ करौ।

प्रश्न 6. **वक्रोक्ति रौ अरथ स्पस्ट करतां थकां वक्रोक्ति रौ भेदां रौ विस्तार साथै वर्णन करौ।**

अथवा

कोलरिज रै कल्पना सिद्धान्त री समीक्षा करौ।

प्रश्न 7. **अरस्तू रै 'अनुकरण सिद्धान्त री समीक्षा करौ।**

अथवा

राजस्थानी छंदसास्त्र परम्परा अर विकास जातरा माथै सांतरौ लेख मांडौ।

प्रश्न 8. **काव्यदोस रौ अरथ अर परिभासा देवतां थकां अंध, हीण अर नाळछेद काव्यदोसां नै उदाहरणां साथै समझाऔ।**

अथवा

पाठालोचन रौ अरथ स्पस्ट करतां थकां पाठालोचन प्रक्रिया नै समझाऔ।

प्रश्न 9. **साहित्य रौ उद्देस्य बतावतां थकां भारतीय अर आथूणै विचारकां रा इण बाबत दियौड़ा मत प्रस्तुत करौ।**

अथवा

भारतीय साहित्यशास्त्र मुजब प्रमुख काव्य प्रेरणावां (काव्य हेतु) रौ विस्तार सूं खुलासौ करौ।

प्रश्न 10. **भारतीय काव्यशास्त्र री उत्पति अर विकास जातरा माथै विस्तार सूं लिखो।**

अथवा

आई॰ए॰ रिचडर्् सरै काव्य सिद्धान्त रौ विस्तार सूं खुलासौ करौ।

प्रश्न 11. **दूहा छंद रै भेदा रौ उदाहरण साथै वरणन करौ।**

अथवा

काव्यदोस रौ अरथ अर परिभासा देवता थकां अंद्य, हीण अर नाळछेद काव्यदोसां नै उदाहरणां साथै स्पस्ट करौ।

प्रश्न 12. **टीप करौ - अंधदोस, बहरौ दोस,**

निनंग दोस, अमंगळ दोस।

अथवा

पाठालोचन रौ अरथ स्पस्ट करतां थकां पाठालोचन प्रक्रिया नै विस्तार सूं समझाऔ।